



# Mahima

---

09 Mar 2000

12:25 PM

Tasgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 120995802

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 09/03/2000  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 12:25:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 14:12:30 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Tasgaon  
राज्य \_\_\_\_\_: Maharashtra  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 17:04:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 74:41:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:31:16 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 11:53:44 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:10:30 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 23:02:50 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:43:59 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:39:46 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:55:46 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 25:09:23 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 29:59:39 वृष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: अश्विनी - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: ब्रह्म  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: अश्व  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: चू-चुन्नी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

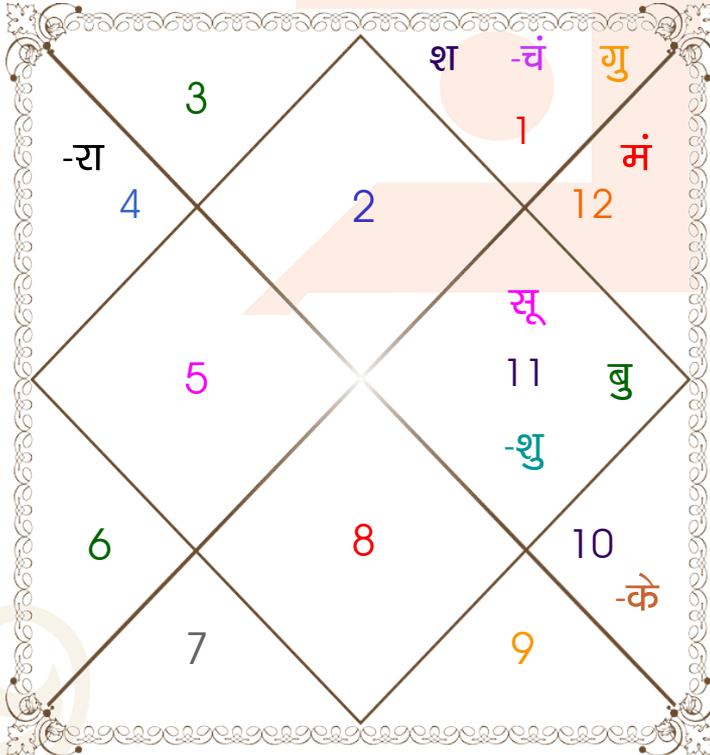
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:59:39	337:00:42	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कुंभ	25:09:23	00:59:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	03:13:25	13:44:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मीन	25:56:51	00:44:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	10:34:48	00:35:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	10:26:32	00:12:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	00:57:38	01:14:09	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	19:16:34	00:05:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	08:49:22	00:07:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	08:49:22	00:07:31	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:44:17	00:03:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:46:05	00:01:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:02:08	00:00:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	20:37:19	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

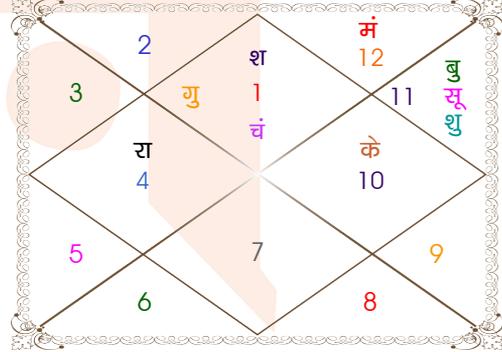
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:20

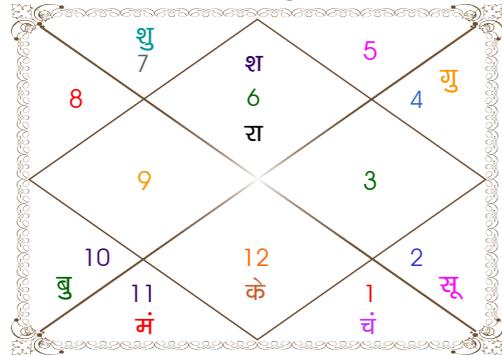
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 3 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
09/03/2000	30/06/2005	30/06/2025	30/06/2031	30/06/2041
30/06/2005	30/06/2025	30/06/2031	30/06/2041	29/06/2048
00/00/0000	शुक्र 29/10/2008	सूर्य 17/10/2025	चंद्र 30/04/2032	मंगल 26/11/2041
09/03/2000	सूर्य 29/10/2009	चंद्र 18/04/2026	मंगल 29/11/2032	राहु 14/12/2042
सूर्य 02/06/2000	चंद्र 30/06/2011	मंगल 24/08/2026	राहु 30/05/2034	गुरु 20/11/2043
चंद्र 01/01/2001	मंगल 29/08/2012	राहु 18/07/2027	गुरु 29/09/2035	शनि 29/12/2044
मंगल 30/05/2001	राहु 30/08/2015	गुरु 06/05/2028	शनि 30/04/2037	बुध 26/12/2045
राहु 18/06/2002	गुरु 30/04/2018	शनि 18/04/2029	बुध 29/09/2038	केतु 24/05/2046
गुरु 25/05/2003	शनि 30/06/2021	बुध 22/02/2030	केतु 30/04/2039	शुक्र 24/07/2047
शनि 02/07/2004	बुध 30/04/2024	केतु 30/06/2030	शुक्र 29/12/2040	सूर्य 29/11/2047
बुध 30/06/2005	केतु 30/06/2025	शुक्र 30/06/2031	सूर्य 30/06/2041	चंद्र 29/06/2048

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
29/06/2048	30/06/2066	30/06/2082	01/07/2101	01/07/2118
30/06/2066	30/06/2082	01/07/2101	01/07/2118	00/00/0000
राहु 13/03/2051	गुरु 17/08/2068	शनि 03/07/2085	बुध 27/11/2103	केतु 27/11/2118
गुरु 05/08/2053	शनि 28/02/2071	बुध 12/03/2088	केतु 23/11/2104	शुक्र 27/01/2120
शनि 11/06/2056	बुध 05/06/2073	केतु 21/04/2089	शुक्र 24/09/2107	सूर्य 10/03/2120
बुध 30/12/2058	केतु 12/05/2074	शुक्र 20/06/2092	सूर्य 31/07/2108	00/00/0000
केतु 17/01/2060	शुक्र 10/01/2077	सूर्य 02/06/2093	चंद्र 30/12/2109	00/00/0000
शुक्र 17/01/2063	सूर्य 29/10/2077	चंद्र 02/01/2095	मंगल 27/12/2110	00/00/0000
सूर्य 11/12/2063	चंद्र 28/02/2079	मंगल 10/02/2096	राहु 16/07/2113	00/00/0000
चंद्र 11/06/2065	मंगल 04/02/2080	राहु 17/12/2098	गुरु 22/10/2115	00/00/0000
मंगल 30/06/2066	राहु 30/06/2082	गुरु 01/07/2101	शनि 01/07/2118	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण हैं कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेती बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती हैं जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुईं तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुंदर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रिय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरिक पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।